पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY



श्री अमृत लाल जी आचार्य
C/o
अग्रवाल
राज कुमार अग्रवाल
~~श्री ५३६~~ जी ५३६ श्रीनिवासपुरी
रिंग रोड नई दिल्ली २४

N-Dul/4

10-4-61

श्री पूज्य-चरण श्री महाराज

जी अनन्त प्रणाम

भाई भोजराज का देहान्त 8-4-61

हृदयगति के रुकने से होगया है अत आप

को खेद हुआ होगा। श्री चरणो के

दर्शनों से यह बाधा उपस्थित

होगई है आपकी चिन्ता भी

अहर्निश रहती है। आप अपने

स्वास्थ्य का पता देते रहें तो मन को

शान्ति होती रहेगी

समय तक मुझे कोई शास्त्रोक्त प्रमाण
नहीं मिलाथा फिर आपकी कृपासे एक
प्रमाण मिल गया परंतु फिर इच्छा हुई कि
प्रमाण और भी इकट्ठे हो जाय तो और भी
अच्छा है अतः यह प्रार्थना है इस सम्बन्ध
में आप पांच-चार प्रमाण लिखदें तो मुझे अच्छा
रहेगा और औरों को भी अच्छा होगा।
[illegible] / आपका — रामजी



अनन्त श्री विभूषित
"श्री जी"
नाम श्रीमान् लाला कस्तूरीलाल आनन्द
पता मैडीको सर्जीकल इन्डस्ट्रीज
डाकखाना स्टेशन रोड़ भाण्डुप
ज़िला भाण्डुप (बम्बई)
Bhandup (Bombay)

[illegible] श्री: । भरतपुर

[illegible] ता० २६-१२-५३

[illegible]

श्री पूज्य बाबा महाराज के चरणार

[illegible]

विन्दु में रामजी का अनेकों बार

[illegible]

साष्टांग प्रणाम स्वीकार हो . अत्र

[illegible]

कुशल तत्रास्तु । यहां जिस लक्ष्मण

[illegible]

जी के मन्दिर मे मैं कथा बांचता हूं

उस मन्दिर के प्रेसीडेन्ट जी ने यह

पूछा है कि कथा से ठाकुर जी को क्या

लाभ है इस सम्बन्ध में शास्त्रोक्त

क्या प्रमाण है मैं ने स्वाभाविक यह

कहा कि कथा तो ठाकुर जी सुनते

है मनुष्य उनके सुनते है परन्तु उस

माता जी को चरण स्पर्श भाभी व चाचीजी को
पहुँचे। हमारी ओर से भी भाभी व चाचीजी
को चरण स्पर्श। भाभीजी भी चाचीजी
को चरण स्पर्श कह रही हैं। शेष कुशल है
पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में

आपका ही
भगवती





श्री पं० गोविन्द मिश्र,
चौबुरजा
भरतपुर (राजस्थान)
Bharatpur (Rajasthan)

बरेली
१५-१-५६

आदरणीय पंडितजी !

सादर चरण स्पर्श

देर काल से आपको पत्र नहीं डाला इसके लिये क्षमा प्रार्थना करता हूं। कुछ दिन से परीक्षायें चल रही थी और उसके बाद 10 ता० को दिल्ली से यहां आना हुआ क्योंकि यहां पर प्रेमा जीजी का पाणिग्रहण संस्कार 11 ता० को सम्पन्न हो गया है। शीला जीजी आज एक मास यहां रह कर आगरा जा रही हैं, और रानो जीजी आगरे गई हुई थीं और उनके बुद्धवार 20 दिसम्बर को लड़की हुई है। आशा है दोनों सकुशल हैं।

मेरी 31 जनवरी तक छुट्टियां हैं

अनन्त प्रकाश सदैव मिलता रहे। यही आप प्रभुजी से प्रार्थना है। आपके श्री पादपद्मों में बारम्बार प्रणाम - जयशङ्कर। अक्टूबर के अन्त में अथवा नवम्बर 76 के प्रारम्भ में आकर दर्शन-लाभ कर अपने कृतार्थ व सार्थक करना। यह सब आपकी इच्छा और दया-दृष्टि से ही सम्भव है। आप ही चमत्कारी हो। आपको अनन्त जय जयशङ्कर।

आदरणीय पण्डितजी से परिवार जनों के कुशल-क्षेम में है। सबको यथायोग्य जयशङ्कर ज्ञात हो। बाबूजी श्री रतनलालजी को जयशङ्कर ज्ञात हो। शेष आपकी कृपा है।

आपका कृपाकांक्षी-
CHHOTEY LAL

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

सेवा में

श्री श्री जी महाराजजी C/o
बाबूजी श्री रतनलालजी
C B3 (JANGPURA)
जंगपुरा
विस्तार (Extension) नई दिल्ली 14
(New Delhi)

पिन PIN



के लिये सम्भव है। [illegible] इन्डीपेन्डेन्ट
डाक्टर और एडमिनिस्ट्रेटर का हुआ है
और चुनाव निर्णय बाद में पता लगेगा।
आपका जैसा आदेश है मैं प्रतीक्षा
करूंगा। और बाकी जैसा पता लगेगा
चुनाव के बारे में आपको अवगत
कराऊंगा।

इति विनीत
आपका कृपानुरागी
[illegible]



श्रीमान महामोहन श्री: [illegible]
C/o पं० दुर्गा दत्त जी B.A.
A/72 जनता कालोनी
Janta Colony
(अमृतेश्वर मन्दिर के सामने)
जयपुर
Jaipur
पिन PIN
राजस्थान

ॐ श्री ता. 3.11.76

सैक्टर 3
857 आर.के. पुरम
नई दिल्ली

परम आदरणीय एवं प्रातः स्मरणीय
श्रद्धेय श्री पाद गुरुदेव महाराज
सादर चरणवन्दे

सेवा में निवेदन है कि यहाँ पर सब, आपके कुसुम चरणों की कृपा से सकुशल हैं। मौखिक प्रतिनिधि मंडल ने मेरा इन्टरव्यू 2 नवम्बर के बजाय 3 नवम्बर को लिया। इन्टरव्यू आपके आशीर्वाद से ठीक हुआ है। चुनाव निर्णय अभी नहीं बताया। जो भी चुने जायेंगे

उन्हें एक या दो महीने में बुला लेंगे। कुछ जल्दी बुलाते

अपना प्रोग्राम बताने की कृपा करें। दिल्ली आप कब पधारेंगे दर्शन देकर कृतार्थ करेंगे।

आपका भ्रमित चरणों

दशनानन्द

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

सेवा में
श्रीमान श्री महाराज जी
पं० श्री गोविन्द जी मिश्र राजपत्र
C/o
चौबुर्जा Chaubuja
BHARATPUR
भरतपुर
पिन PIN Rajasthan

ता. 5.6.76 ओ३म्

सैक्टर 3
857
रामकृष्णापुरम
दिल्ली

परम आदरणीय प्रिय स्मरणीय
अनन्त श्री
गुरुवर महाराज जी सादर
वन्दे।

सेवा में सविनय निवेदन है
कि यहाँ पर सब आपकी
कृपा से कुशल पूर्वक हैं।
आपके सु स्वास्थ्य लाभ के
लिये ईश्वर से नित्य प्रार्थना
करते हैं। आपके द्वारा भेजा
हुआ पत्र आया। आपके स्वास्थ्य
के बारे में हमें बड़ी चिन्ता
रहती है एवं कैसा हाल है
यहां पर सब लोग कुशल हैं।
आपसे प्रार्थना है कि आप का

श्री प्राण गोविन्द दास जी को सादर नमस्कार कहें।

मेरे योग्य सेवा कोई

आज्ञा करें - -

आपका सेवक

गोपाल दास

C/o

वैद्य किशोरी गोपाल
रोड

जंगपुरा

दिल्ली - 14

पोस्ट कार्ड
POST CARD

जवाबी
REPLY

केवल पता
ADDRESS ONLY

POSTAGE
5 नP INDIA 5 न.पै.

सेवा में श्री ... ज्योतिषाचार्य

C/o

पं. गोविन्द मिश्र

चौबुर्जी

भरतपुर खास

(राजस्थान)

श्री: १०८ पूज्यवर गुरुदेव!

९.५.६०

सादर प्रणाम

मैं ८ पू/दि० का पत्र आपका आया था।
आपको ओंकारजी नालागढ़ से ले
आया हूँ। अब मैं आप आज्ञा
को वैसे किया जो कि नालागढ़ के सब
सज्जनों की ओर से निमंत्रण है।
मैं विवाह की लड़की की बारात
15 पू/दि० को 3 बजे देहली पहुंच गई। आप
से विशेष प्रार्थना है कि आप अवश्य
पधारें। मेरी ओर से तथा सब परिवार
की ओर से तथा मेरे श्री ... की
तथा सब की ओर से प्रणाम ...
... आप विशेष प्रार्थना

यह जानकर यहाँ सब
भक्तों को हर्ष हुआ
कि आप शीघ्र देहली
पधार रहे हैं।

शेष आपके आशीर्वाद
से सभी कुशल हैं। श्री चरणों में
सभी लोगों का साष्टांग प्रणाम
स्वीकार हो।

योग्य सेवा लिखें - कृतार्थ करें

कृपाकांक्षी

रविशंकर त्रिवेदी

पहला मोड़ FIRST FOLD

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD



सेवा में

अनन्त श्री विभूषित श्री "जी महाराज
C/o श्री चौधरी मिलखीराम दलीप्यारा जी
Village SOHANA सोहाना
via ROPAR रोपड़
पंजाब

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—



पिन PIN

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

श्री

B-306 साउथ मोतीबाग
नई दिल्ली

प्रातस्मरणीय अनन्तश्री विभूषित पूज्य महाराज जी,
चरण कमलों में साष्टांग सादर प्रणाम।

नालागढ़ से आपका कृपापत्र पाकर कृतार्थ हुआ। श्लोकों में कोई भी परिवर्तन न कर ज्यों के त्यों प्रकाशित कर दिये हैं। मेरा विचार था कि प्रथम एक सौ एक प्रतियाँ आपकी सेवा मे नालागढ़ भेजता किन्तु अब तो आप देहली पधार रहे हैं।

एक अपराध यह होगया है कि आदरणीय श्री चौधरी साहब (श्री मलखेराम जी) ने आपका फ़ोटो गत सप्ताह भेज दिया था किन्तु भाग-भाग के कारण मैं उनको कृतज्ञता का पत्र भी न लिख सका, सो क्षमा करें। चौधरी साहब फ़ोटो भेजकर जो उपकार किया उसके लिये मैं कृतज्ञता प्रगट करता हूँ।
अब ब्लाक बनकर यह फ़ोटो प्रेमी श्लोकों के साथ ही छप रहा है।

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD



सेवा में

श्री परम पूज्य "श्री" जी महाराज
C/o श्री सुभाष जी शर्मा
दया भवन रेल्वे लाइन के पास
Near (I.T.I.) सोलन SOLAN
सोलन हिमाचल प्रदेश
पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

पिन PIN

उत्तर भेजा
21/6/78

श्रीः

B-306 साउथ मोतीबाग
नई दिल्ली 21
21. 6.78

स्मरणीय पूज्य गुरु महाराज,

चरण कमलो मे साष्टांग प्रणाम स्वीकार हो। निवेदन है कि एक पत्र पिछले सप्ताह श्री सुभाषजी के नाम से सोलन भेजा था किन्तु अभी तक कोई उत्तर नहीं आया। अगर कोई अपराध होगया होतो क्षमा करें।

आगे निवेदन है कि "प्रेमो शर्मा" के पृष्ठ प्रेस वाले ने कम्पोज कर दिये हैं और पूज्य पिताजी तथा आदरणीय श्री रघुनाथ जी प्रूफ देख रहे हैं, आशा है आपके आशीर्वाद से यह कार्य एक सप्ताह मे सम्पन्न होजायेगा।

भगवन्, दास की एक करबद्ध प्रार्थना है और आशा है कि आप निराश न करेंगे। आपका वि.सं. १९७० का फोटो तो प्रकाशित हो ही रहा है, अब पूज्य पिताजी और सभी भक्तो की प्रार्थना है कि आपका वर्तमान फोटो भी प्रकाशित होजाये। जो फोटो सोलन मे श्री सुभाषजी के यहाँ देखा था, उसी फोटो का ब्लोक बनवाकर प्रकाशित करने की अभिलाषा है। मैंने सुहाना एक पत्र श्री चौधरी दसौंधीराम जी को लिखा था कि आप जितना चाहे मूल्य लेलें किन्तु फोटो अवश्य भेजकर कृतार्थ करें किन्तु अभी तक कोई उत्तर नहीं और अब आशा नहीं है। भगवन्, आप जैसी आज्ञा करें वैसा ही कार्य करूँ, यदि आप आज्ञा करें तो मैं सुहाना जाकर फोटो ले आऊँ?

हाँ, यहाँ परसों ~~आ~~ सैक्टर पाँच श्री रामकृष्णपुरम से श्री महेन्द्रशर्मा जी आपके दर्शनो को आये तो उन्हे सोलन / का पता दे दिया है। योग्य सेवा हुक्म [illegible] करें।

आपका सेवक
रवि शर्मा त्रिवेदी



CORRECT & COMPLETE ADDRESS ENSURES PROMPT DELIVERY

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD



सेवा में
श्री श्री 108 श्री ... महाराज
c/o चौधरी ...
P.O. SOHANA
Via Roparpur (Panjab)

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

पिन PIN



पहला मोड़ FIRST FOLD

सारी व्यवस्था अपने सामने स्वयं करवाकर
अमृतसर के लिए 18.7.78 को पधार जायें,
यह तभी संभव है जब आप 18.7.78 तक
काशी पहुँच जायें। काशी में निवास की
व्यवस्था अभी मात्र दो मास के लिए कर
रहे हैं किन्तु आशा है कि जब तक आप चाहेंगे
भविष्य में तब तक के लिए हो जायेगी।
अब आप जैसा उचित समझें, वैसा
सूचित करें। आपके आशीर्वाद से यहाँ
सब प्रसन्न हैं।

कृपाकांक्षी
राम शर्मा त्रिवेदी

श्रीः

नई दिल्ली
12.7.78

अनन्तश्री विभूषित पूज्य गुरु महाराजजी,

चरणकमलों में साष्टांग प्रणाम।

आशा है कि "प्रमो शंमो" की कमों एक प्रतियाँ इस पत्र से पूर्व ही आपको मिल गई होगी।

यहाँ बन्धुवर श्री रघुनाथ जी ने आज सूचित किया है कि आपने काशी में निवास करने की जो इच्छा की थी उस विषय में श्री रघुनाथ जी के पूर्वाश्रम के चाचा श्री नन्दलाल जी और अब स्वामी श्री नन्दनन्दनानन्दजी ने करपात्री जी महाराज से चर्चा चलाई थी। श्री करपात्रीजी महाराज ने आपके लिए काशी में अपने पास ~~नये~~ नवनिर्मित विश्वनाथ जी के मन्दिर के साथ व्यवस्था कर दी है। श्री करपात्रीजी महाराज काशी में ही चातुर्मास करेंगे और श्री नन्दनन्दनानन्द जी महाराज अमृतसर में चातुर्मास करेंगे। श्री नन्दनन्दनानन्दजी महाराज दिनांक 18.7.78 तक काशी में विराजेंगे और उनकी इच्छा है कि आप भी दिनांक 18.7.78 तक काशी पधारें ताकि वे स्वयं श्री करपात्रीजी से आपका परिचय करवा देवें। ~~उनका~~ और आपके लिए भोजन निवास आदि की

B-306 साउथ मोतीबाग
नई दिल्ली 21.
20.6.78

धनत्रीविभूषित पूज्य महाराजजी,

साष्टांग प्रणाम स्वीकार हो।

आपकी सेवामें दो पत्र भेज चुका हूँ किन्तु मुझे एक भी पत्र का उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। दास से कोई अपराध होगया हो तो क्षमा करें। आपसे एक करबद्ध प्रार्थना थी कि आपका एक वर्तमान फोटो जैसा सा.लन के श्री सुभाष जी के पास हो वैसा फोटो मुझे भेजने की कृपा करें ताकि "शंभो शंभो" में प्रकाशित हो जाय।

एक दूसरी प्रार्थना और है, वह यह है कि पूज्य पिताजी के अनुसार मंत्र के इतिहास वाले श्लोकों में श्लोक संख्या 1, 3, 4, 5, 7 और 8 के पञ्चम और सप्तम वर्ण लघु गुरु होने चाहिए। इस विषय में आपकी क्या आज्ञा है? यदि आप सुधार उचित समझें तो संशोधित करवाकर शीघ्र भिजवा दीजिए। मैं इस पत्र के साथ उन श्लोकों को रेखांकित करके भेज रहा हूँ।

कृपापत्र शीघ्र देकर योग्य सेवा बताकर कृतार्थ करें।

कृपाकांक्षी
रवि शर्मा त्रिवेदी

श्रीः

२८५ आर.पी.एस. फ्लैट
मदनगीर नई दिल्ली 62
18.4.79

भगवन्,

चरण कमलों में साष्टांग प्रणाम। बहुत समय से आपके दर्शनों की प्रतीक्षा थी किन्तु श्री रतन लाल जी से ज्ञात हुआ कि आप अभी इधर नहीं पधार रहे हैं, अतः बड़ी निराशा हुई। पिछले सप्ताह भी मैंने आपको पत्र लिखा था किन्तु डाक में नहीं डाला। अभी सोलन से श्री सुभाषजी का पत्र मिला।

आपके आशीर्वाद से श्रीमन्दाक्रान्ता स्तोत्र का अंग्रेजी अनुवाद अब पूर्ण करने वाला हूँ किन्तु इसमें सन्तोष नहीं है, श्री रघुनाथ जी के करकमलों का स्पर्श पाकर इसमें प्राण आजायेंगे। श्रीरघुनाथजी आगामी मास में यह कार्य कर डालेंगे। यदि आपकी आज्ञा हो तो अभी संस्कृत और हिन्दी को प्रेस में दे आऊँ, जबतक हिन्दी और संस्कृत के तीन प्रूफ प्रेस में छपते हैं तबतक अंग्रेजी का कार्य पूरा हो जायेगा। वर्न अब आपकी आज्ञा की प्रतीक्षा है।

इधर हमारी नानीजी का स्वर्गवास नवरात्रों में हो गया है।

मकान बनवाने का कार्य आपके आशीर्वाद से ही संभव हो पायेगा। मेरा तो विचार था कि इस अपूर्ण भवन का गृह प्रवेश आपके करकमलों से भगवान परशुराम जयन्ती पर हो जाता किन्तु अब परसों शुक्रवार को तो नींव ही आरंभ होगी। पञ्चांग में गृह प्रवेश का मुहूर्त मात्र पूरे वर्ष में एक ही दिन 6 जून